खबर संक्षेप

2 बाघों की मृत्यु पर वन विभाग ने की कड़ी कार्यवाही

शहडोल। वनमण्डलाधिकारी उत्तर वनमण्डल शहडोल तरूणा वर्मा ने बताया है कि उत्तर वनमण्डल शहडोल अंतर्गत वनपरिक्षेत्र जयसिंहनगर के बीट बनचाचर (ग्राम करपा) में 02 वन्यजीव बाघ की मृत्यु की घटना में कार्यवाही करते हुये वन अपराध पंजीबद्ध कर 07 आरोपियों को रिमाण्ड में लेकर पूछताछ की गई तथा आरोपियों द्वारा बताये गये साक्ष्य के आधार पर प्रकरण को गंभीरता से लेते हुये संबंधित वन क्षेत्रों के सभी कक्ष में सघन गस्ती की जा रही है तथा प्रकरण में जांच कार्यवाही प्रचलित है। विभाग द्वारा कठोर कार्यवाही करते हुये प्रथम दृष्टया घटना मे दोषी पाये गये राजेन्द्र पुरी वनरक्षक बीटगार्ड बनचाचर तथा बृहस्पति पटेल परिक्षेत्र सहायक मसीरा को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया एवं दिनेश कुमार पटेल वन परिक्षेत्राधिकारी जयसिंहनगर को आरोप ज्ञापन प्रस्तावित किया गया।

मुख्यमंत्री के शहडोल आगमन पर कांग्रेस करेगी विरोध प्रदर्शन

शहडोल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के शहडोल आगमन के दौरान स्थानीय जन समस्याओं को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। यह विरोध प्रदर्शन जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी के नेतृत्व में किया जाएगा। जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री धनपुरी में वाटर पार्क के उद्घाटन हेतु शहडोल आ रहे हैं, लेकिन धनपुरी नगरपालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार पर शासन-प्रशासन द्वारा कोई सुध नहीं ली जा रही है। नगर पालिका में खुलेआम भ्रष्टाचार हो रहा है, जिससे आम जनता त्रस्त है। उन्होंने कहा कि शहडोल जिले में कोयले का बड़े पैमाने पर अवैध उत्खनन एवं प्रतिदिन करोड़ों रुपये के अवैध कोयले का व्यापार हो रहा है। अवैध खदानों में कार्यरत श्रमिकों की जान तक जा रही है, किंतु शासन और प्रशासन आंख मूंदे बैठा है। जिम्मेदार अधिकारी केवल अपने हिस्से के मुनाफे की चिंता कर रहे हैं। जिलाध्यक्ष ने आगे कहा कि स्थानीय लोगों को रोजगार मे वरीयता प्रदान नहीं की जा रही, जिले में कानून व्यवस्था लगातार बिगड़ती जा रही है। दूषित पेयजल की समस्या, गौ-तस्करी, अवैध रेत उत्खनन, कबाड़ का अवैध कारोबार, किसानों को खाद की गंभीर समस्या, जुआ एवं सट्टा जैसे अवैध धंधे अपने चरम पर हैं। जिम्मेदार अधिकारी कमीशन की पट्टी आंखों पर बांधकर जनता की समस्याओं से मुंह मोड़े बैठे हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी ज्वलंत जन समस्याओं की ओर शासन का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री के शहडोल आगमन के दौरान कांग्रेस द्वारा शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। श्री अवस्थी द्वारा बुढ़ार एवं धनपुरी के समस्त कांग्रेस अनुशांगिक संगठन, समस्त कांग्रेसजन व आमजन से इस विरोध प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई है।

जहरीला हुआ कोदो का निवाला!

शहडोल। गरीब का भोजन कहे जाने वाले कोदो ने एक बार फिर जिले में मौत की दस्तक दी है। सोहागपुर जनपद की ग्राम पंचायत खम्हरिया कला में शुक्रवार को कोदो का चावल खाने से एक ही परिवार के तीन लोग गंभीर रूप से बीमार हो गए। गनीमत रही कि परिजनों की मुस्तैदी से उन्हें समय पर जिला अस्पताल पहुँचाया गया, वरना यह साइलेंट किलर कोई बड़ी अनहोनी कर सकता था।

भोजन के चंद मिनटों बाद शुरू हुआ मौत का तांडव-घटना शुक्रवार सुबह 10 बजे की है। रानी बैगा उम्र 18 वर्ष ने जब अपने भाई राजेश और दादा कुल्लू बैगा उम्र 60 वर्ष के साथ बड़े चाव से कोदो का भात खाया, तो उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि थाली में परोसा गया अन्न जहर बन चुका है। निवाला गले से उतरते ही तीनों को उग्र उल्टियां, असहनीय पेट दर्द और घबराहट होने लगी। डॉक्टरों ने इसे गंभीर फूड पॉइजनिंग करार दिया।

पुराने हादसों से नहीं लिया सबक यह कोई पहली घटना नहीं है। पिछले वर्ष भी इसी बेल्ट में कोदो की रोटी खाने से कई ग्रामीण मौत के मुंह तक पहुँच गए थे। सवाल यह उठता है कि क्या खाद्य विभाग और स्वास्थ्य विभाग का काम सिर्फ अस्पताल में मरीजों को गिनना है? कोदो में पनपने वाले फंगल इन्फेक्शन और विषाक्त तत्वों को लेकर ग्रामीणों के बीच जागरूकता अभियान क्यों नहीं चलाया जा रहा?

राम वन पथ गमन स्थल गांधिया बनेगा धार्मिक पर्यटन का केंद्र

आदिवासी गौरव और सौगातों का रविवार

माता शबरी की प्रतिमा का अनावरण और वाटर पार्क का लोकार्पण करेंगे मुख्यमंत्री

शहडोल।

जिले में 8 फरवरी को शबरी जयंती के अवसर पर ग्राम गांधिया स्थित श्री राम वन पथ गमन स्थल पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर माता शबरी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे और जिले को करोड़ों रुपये के विकास कार्यों की सौगात देंगे। प्रशासनिक स्तर पर कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और विभिन्न विभागों को जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं।

शबरी धाम का धार्मिक महत्व

ग्राम गांधिया स्थित सीतामढ़ी परिसर को जनजातीय समुदाय की आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने अपने वनवास काल के दौरान यहां समय बिताया था और माता शबरी से भेंट की थी। इसी कारण यह स्थल रामायणकालीन आस्था और जनजातीय संस्कृति का प्रतीक माना जाता है। यहां राम और शिव मंदिर के अलावा कई छोटे मंदिर भी स्थित हैं और यह क्षेत्र श्रद्धालुओं के लिए धार्मिक केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। राम पथगमन विकास योजना के तहत गांधिया क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विकास की योजना तैयार की गई है, जिसके अंतर्गत प्रारंभिक चरण में पेयजल, सोलर लाइट, प्रवचन हॉल और गौशाला जैसी व्यवस्थाओं के लिए लगभग 80 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

धनपुरी में वाटर पार्क का उद्घाटन

मुख्यमंत्री अपने दौरे के दौरान धनपुरी नगर पालिका क्षेत्र में लगभग 11 एकड़ भूमि पर निर्मित विशाल वाटर पार्क का भी लोकार्पण करेंगे। करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह पार्क जिले का ही नहीं, बल्कि संभाग का सबसे बड़ा वाटर पार्क बताया जा रहा है। इस परियोजना में क्लब हाउस, स्विमिंग पूल और बच्चों-युवाओं के मनोरंजन के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं। मिनी ओलंपिक मानकों पर बने स्विमिंग पूल से स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों को तैराकी सीखने का अवसर मिलेगा, जिससे खेल गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

613 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण

मुख्यमंत्री जिले में विभिन्न विभागों के कुल 79 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे, जिनकी कुल लागत लगभग 613.84 करोड़ रुपये बताई गई है। इनमें प्रमुख रूप से सडक़, भवन, स्वास्थ्य, शिक्षा और जनजातीय कार्य विभागों की परियोजनाएं शामिल हैं। सडक़ विकास निगम के अंतर्गत एक बड़ा कार्य लोक निर्माण विभाग के भवन कार्य, स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े प्रोजेक्ट, ग्रामीण सडक़ें और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाएं भी इस सूची में शामिल हैं।

शहडोल के लिए विकास का विजन

मुख्यमंत्री अपने संबोधन में जिले को आदर्श जिला बनाने की दिशा में चल रहे प्रयासों का उल्लेख करेंगे। रीवा-से-टेटका मार्ग सहित लगभग 97.45 किलोमीटर लंबाई की सडक़ का निर्माण 317 करोड़ रुपये की लागत से पूरा किया जा चुका है, जिससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बेहतर हुई है और आवागमन सुगम हुआ है। इसके साथ ही प्रशासन ने हर घर पानी, बिजली और स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध कराने को प्राथमिकता बताया है। जिले में 31 मार्च 2026 तक हर घर जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है।

134 करोड़ के कार्यों का भूमिपूजन

मुख्यमंत्री 60 नए विकास कार्यों का भूमिपूजन भी करेंगे, जिनकी कुल लागत लगभग 134.07 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं में जनजातीय कार्य विभाग, नगरीय प्रशासन, भवन विकास निगम, लोक निर्माण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा स्वास्थ्य विभाग के कार्य शामिल हैं। इन योजनाओं से ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार और जनसेवाओं में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

प्रशासनिक तैयारियां तेज

मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। कमिश्नर सुरभि गुप्ता और कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर मंदिर परिसर की साफ-सफाई, रंगाई-पुताई, मंच, सुरक्षा और यातायात व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों के अनुसार कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और ग्रामीणों के पहुंचने की संभावना है, इसलिए व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित ढंग से तैयार किया जा रहा है।

आदिवासी आस्था और विकास का संगम

शबरी जयंती का यह आयोजन धार्मिक आस्था और विकास योजनाओं के संगम के रूप में देखा जा रहा है। एक ओर जहां माता शबरी की प्रतिमा का अनावरण कर जनजातीय संस्कृति को सम्मान दिया जाएगा, वहीं दूसरी ओर सैकड़ों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन कर जिले को विकास की नई रफ्तार देने का संदेश दिया जाएगा। मुख्यमंत्री के इस दौरे से स्थानीय लोगों को नई योजनाओं और सुविधाओं की उम्मीद है, जिससे जिले में आधारभूत ढांचे और पर्यटन दोनों को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

सिस्टम की सुस्ती पर वकीलों का हल्ला बोल

सुविधाओं के अभाव में दम तोड़ती न्याय व्यवस्था

शहडोल।

शहडोल जिला न्यायालय में न्याय की मशाल थामने वाले हाथ अब व्यवस्था की बदहाली के खिलाफ उठ खड़े हुए हैं। जिले की न्यायिक अधोसंरचना में व्याप्त घोर उपेक्षा और संसाधनों के अभाव को लेकर जिला अधिवक्ता संघ ने सीधे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति को चुनौती भरा संदेश भेजा है। संघ के अध्यक्ष राकेश सिंह बघेल के नेतृत्व में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के माध्यम से प्रेषित दो टूक ज्ञापनों ने प्रशासनिक गलियारों में हडक़ंप मचा दिया है। अधिवक्ता संघ ने व्यवस्था पर कड़ा प्रहार करते हुए सवाल उठाया है कि जब कुटुंब न्यायालय के लिए भूमि का आवंटन पहले ही हो चुका है, तो फिर निर्माण की फाइलें फाइलों में क्यों दबी हैं। वर्तमान में एक छोटे से कमरे और सीमित संसाधनों के बीच पारिवारिक विवाद सुलझाए जा रहे हैं, जहां न पक्षकारों के बैठने की जगह है और न ही गोपनीयता की सुरक्षा। पारिवारिक मामलों की बढ़ती संख्या के बीच प्रतीक्षालय और परामर्श कक्ष का न होना न्याय प्रक्रिया की संवेदनशीलता का मजाक उड़ा रहा है। संघ ने मांग की है कि कागजों पर हो चुकी खानापूर्ति को धरातल पर उतारते हुए अविलंब पृथक भवन का निर्माण शुरू किया जाए। दूसरा मोर्चा अधिवक्ता अधोसंरचना को लेकर खोला गया है। न्यायालय परिसर में लगभग 600 अधिवक्ता नियमित रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उनके बैठने के लिए पर्याप्त चैंबर तक नहीं हैं। आलम यह है कि महिला अधिवक्ताओं के लिए मूलभूत सुविधाएं और एक अदद लाइब्रेरी तक के लिए जद्दोजहद करनी पड़ रही है। संघ ने कोर्ट परिसर के सामने स्थित 70&30 फुट की रिक्त शासकीय भूमि पर अपना दावा ठोकते हुए स्पष्ट किया है कि यदि न्याय के प्रहरियों को ही गरिमापूर्ण कार्यस्थल नहीं मिलेगा, तो व्यवस्था कैसे चलेगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान संघ के तेवर काफी सख्त नजर आए। उपाध्यक्ष सतीश पाठक, सचिव अनिल तिवारी और सहसचिव राकेश गोले सहित कार्यकारिणी ने एक सुर में कहा कि नवोदित अधिवक्ताओं और पक्षकारों की गरिमा से अब और समझौता नहीं होगा। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि लाइब्रेरी, कैंटीन और चैंबर निर्माण हेतु भूमि आवंटन में देरी की गई, तो संघ अपने आंदोलन को और उग्र करेगा। इस दौरान कोषाध्यक्ष गगन कुमार वर्मा, कार्यकारिणी सदस्य राकेश जायसवाल और पुष्पेंद्र सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने इस लड़ाई को सम्मान और सुविधा की लड़ाई करार दिया है।

बरमनिया के विकास कार्यों पर लगा ताला!

10 साल से जमे सचिव की तानाशाही

शहडोल।

सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच की खाई देखनी हो, तो जनपद पंचायत गोहपारू की ग्राम पंचायत बरमनिया आइए, यहां विकास के पहिए नहीं घूम रहे, बल्कि भ्रष्टाचार और लापरवाही की कुंडली मारकर बैठे सचिव राजेश साहू की मनमानी का नंगा नाच चल रहा है। आलम यह है कि पंचायत भवन ग्रामीणों की मदद के लिए कम और सचिव की गैर-मौजूदगी के कारण ताले की सुरक्षा के लिए ज्यादा जाना जाता है।

ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि सचिव राजेश साहू पिछले एक दशक से इसी पंचायत में अंगद की तरह पैर जमाए बैठे हैं। नियमों को ताक पर रखकर 3 साल के स्थान पर 10 साल से एक ही जगह डटे सचिव अब पंचायत सेवक कम और व्यवसायी ज्यादा नजर आते हैं। चर्चा है कि सचिव महोदय ने चार पहिया मालवाहक वाहन खरीद रखा है और अपना पूरा समय बरेली गांव में अपने निजी कारोबार को चमकाने में बिताते हैं। नतीजा यह है कि पंचायत भवन अक्सर बंद रहता है और ग्रामीण जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र से लेकर पेंशन जैसे जरूरी कामों के लिए धूल फांक रहे हैं।

बरमनिया में मनरेगा का सच बेहद डरावना है। वार्ड नं. 4 की श्रीमती नेम बाई ने लघु तालाब निर्माण में 36 दिन तक हाड़-तोड़ मेहनत की, लेकिन महीनों बीतने के बाद भी उनके चूल्हे मजदूरी की राह देख रहे हैं। यही हाल अशोक सिंह का है, जिनकी तीन सप्ताह की मजदूरी सचिव की फाइलों में दफन है। रामरतन पनिका जैसे बुजुर्ग पेंशन के लिए 6 महीने से भटक रहे हैं, लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। सवाल उठता है कि क्या गरीबों का हक मारना ही इस पंचायत का नया दस्तूर बन गया है? हैरानी की बात यह है कि ग्राम पंचायत के सरपंच दल प्रताप सिंह खुद सचिव की कार्यप्रणाली से त्रस्त हैं। सरपंच का कहना है कि उन्होंने कई बार लिखित और मौखिक रूप से जनपद पंचायत के आला अधिकारियों को इस अघोषित तानाशाही से अवगत कराया, लेकिन सचिव पर कार्रवाई न होना प्रशासन की मिलीभगत की ओर इशारा करता है। यदि जल्द ही इस भ्रष्ट व्यवस्था पर नकेल नहीं कसी गई और सचिव का स्थानांतरण कर बकाया भुगतान नहीं हुआ, तो ग्रामीण कलेक्ट्रेट का घेराव करने को मजबूर होंगे।

भाजपा कार्यालय में केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर पत्रकार वार्ता संपन्न

मील का पत्थर साबित होगा केंद्रीय बजट: सांसद

शहडोल।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा केंद्रीय बजट को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित व आत्मनिर्भर भारत के विजन का सशक्त दस्तावेज़ है। गरीब, युवा, नारी शक्ति, अन्नदाता के साथ मध्यम वर्ग और उद्यमियों के कल्याण व सशक्तिकरण के प्रावधान बजट में किए गए हैं। यह सर्वस्पर्शी, सर्वसमावेशी बजट रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म की भावना को दर्शाता है, जो मध्यप्रदेश सहित देश को 2047 के विकसित भारत की ओर मजबूती से ले जाएगा। केंद्रीय बजट को राजनीति के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नजर से देखना आवश्यक है। देश के कुल कर्ज को जीडीपी के 56 प्रतिशत से घटाकर 50 प्रतिशत तक लाने की भी योजना है। बजट में 7 हाई-स्पीड कॉरिडोर्स के निर्माण और 12.2 लाख करोड़ के कैपिटल एक्सपेंडिचर का प्रावधान किया गया है। सेमीकंडक्टर मिशन के लिए निवेश राशि को 22,500 करोड़ से बढ़ाकर 40,000 करोड़ करने का प्रस्ताव है। यह बजट वर्ष 2047 के विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में मील का पत्थर साबित होगा।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में होगा उल्लेखनीय सुधार

स्वास्थ्य क्षेत्र में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की 17 दवाइयों पर कस्टम ड्यूटी शून्य कर दी गई है। एक लाख हेल्थ प्रोफेशनल्स की नियुक्ति, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान और हेल्थ टूरिज्म को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। जिला अस्पतालों का उन्नयन कर उनमें ट्रामा सेंटर स्थापित करने संबंधी प्रावधान स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार लाएंगे। महिलाओं के लिए हर जिले में हॉस्टल, डेढ़ लाख केयर वर्कर्स और पेंशनर्स को सुविधाएं देने का भी प्रावधान है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

यह बजट भारत को आने वाले वर्षों में विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से सही दिशा में आगे बढ़ रहा है, और बजट 2026 उसी भरोसे और दूरदृष्टि का प्रमाण है। यह केंद्रीय बजट देश के आर्थिक विकास के साथ रिफॉर्म एक्सप्रेस की रफ्तार को भी दिखा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रस्तुत केंद्रीय बजट तात्कालिक प्रभाव से अधिक अगले 10-20 वर्षों में भारत की दिशा तय करने वाला है। यह बजट सशक्त भारत की नींव को और मजबूती प्रदान करेगा।

युवाओं को रोजगार दिलाने में महती भूमिका

सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने कहा कि केंद्रीय बजट में 15 हजार माध्यमिक शालाओं में कंटेंट क्रिएटर लैब की स्थापना, आईआईएम के सहयोग से 10 हजार टूरिस्ट गाइड तैयार करने और 'खेलो इंडिया' के माध्यम से खेलों को प्रोत्साहन देने की घोषणाएं की गई हैं। क्रिएटर लैब युवाओं को रोजगार दिलाने में महती भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व की कांग्रेस सरकारों का बजट सिर्फ लोक लुभावन रहता था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार का यह बजट दूरदर्शी और विकसित भारत बनाने के संकल्प को पूरा करने वाला है। इसके अलावा सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह जी ने पत्रकारों के सवालों का भी बखूबी जवाब दिया साथ ही स्थानीय मुद्दों को लेकर पत्रकारों से चर्चा की गई इस दौरान जिले भर के प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार गण पत्रकार वार्ता में उपस्थित रहे इस दौरान पत्रकार वार्ता का संचालन भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विनय केवट ने किया तो वहीं आभार भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा द्वारा किया गया।

एसईसीएल की मनमानी के खिलाफ फूटा ग्रामीणों का आक्रोश

प्रबंधन पर लगाया शोषण का आरोप

शहडोल।

रामपुर-बटुरा मेगा प्रोजेक्ट के नाम पर किसानों और ग्रामीणों की खुशहाली निगलने वाले एसईसीएल प्रबंधन की अब खैर नहीं है। बीते तीन वर्षों से वादों की घुट्टी पिलाकर ग्रामीणों को अधर में लटकाने वाले कोयला माफिया तंत्र और संवेदनहीन प्रबंधन के खिलाफ प्रभावित किसान अब सीधे प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव की अदालत में दस्तक देंगे। समाजसेवी भूपेश शर्मा ने दो टूक चेतावनी दी है कि प्रबंधन की तानाशाही और कुंभकर्णी नींद के कारण अब ग्रामीण करो या मरो की स्थिति में हैं।

प्रबंधन की निर्दयता का आलम यह है कि खदान के बिल्कुल बगल में संचालित प्राथमिक विद्यालय आज खंडहर में तब्दील हो चुका है। भारी ब्लास्टिंग के कारण स्कूल की दीवारें दरक रही हैं और छत कभी भी मासूमों पर गिर सकती है। भूपेश शर्मा ने आक्रोश जताते हुए कहा एक तरफ प्रधानमंत्री बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा देते हैं, दूसरी तरफ एसईसीएल का प्रबंधन बेटियों को मौत के साये में पढने को मजबूर कर रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि एसईसीएल को सिर्फ कोयला डिस्पैच और मुनाफे से मतलब है। पुनर्वास, नौकरी, मुआवजा और बुनियादी सुविधाएं जैसे बिजली-पानी और स्वास्थ्य केवल कागजों तक सीमित हैं। ग्रामीणों ने दर्द बयां करते हुए कहा कि अधिकारी न फोन उठाते हैं और न ही कार्यालय जाने पर सम्मान देते हैं। घंटों इंतजार कराना और दुर्व्यवहार करना अब प्रबंधन की कार्यशैली बन चुकी है। इस उपेक्षा से तंग आकर क्षेत्र का अन्नदाता अब आत्महत्या की कगार पर खड़ा है। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए जनपद सदस्य चंद्र कुमार तिवारी, सांसद प्रतिनिधि राजकमल मिश्रा, पूर्व एसडीएम रमेश सिंह, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष आदित्य त्रिपाठी सहित दर्जनों सामाजिक कार्यकर्ताओं और पंच-सरपंचों ने इस आंदोलन को धार दे दी है। एसडीएम सोहागपुर और तहसीलदार बुढार के माध्यम से मुख्यमंत्री से मिलने का समय मांगा गया है।

खबर संक्षेप

जिला स्तर पर जिला जनगणना समन्वय समिति गठित

उमरिया। निदेशक जनगणना कार्य निदेशालय जनगणना भवन भोपाल व्दारा जिला स्तर पर जिला जनगणना समन्वय का गठन किए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में जनगणना 2027 कार्य एवं गतिविधियों के सुचारू एवं सफल संचालन एवं पर्यवेक्षण हेतु जिला स्तर पर जिला जनगणना समिति का गठन किया गया है । समिति में जिला जनगणना अधिकारी अपर कलेक्टर , अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी एवं जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी एवं जिला योजना , सांख्यिकी अधिकारी , अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी एवं जिला शिक्षा अधिकारी , परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण तथा जनसंपर्क अधिकारी सदस्य होगे ।

शा. उमावि कन्या पाली एवं बेलसरा के लिए कलेक्टर प्रतिनिधि नियुक्त

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जिलें में आयोजित हाईस्कूल,हायर सेकेण्डरी वर्ष 2026 की मुख्य परीक्षा की गोपनीयता एवं सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए संलग्न समय सारणी अनुसार परीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व केन्द्राध्यक्षों के साथ संबंधित थानों से प्रश्न-पत्र प्राप्त किये जाने से लेकर परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचाने हेतु पूर्व में जारी आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए शासकीय उमावि कन्या पाली के लिए मणिशंकर मेमार पटवारी तथा शासकीय उमावि बेलसरा के लिए अजय सिंह पटवारी हल्का बेल्दी को कलेक्टर प्रतिनिधि नियुक्त किया है । उन्होने कहा कि अधिकारीगण म.प्र. शासन स्कूल शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देशानुसार कार्य करना सुनिश्चित करें एवं परीक्षा केन्द्रो के केन्द्राध्यक्षों से समन्वय स्थापित कर निर्धारित समय सारणी अनुसार प्रातः 7 बजे संबंधित थानों में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।

बाघिन का किया गया रेस्क्यू

उमरिया । क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व ने बताया कि बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व प्रबंधन द्वारा कक्ष क्रमांक आरएफ-327, बीट दमना, परिक्षेत्र ताला से लगभग 3 से 4 वर्ष आयु की एक बाघिन का सुरक्षित रूप से रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू उपरांत बाघिन की स्वास्थ्य जांच की गई, तत्पश्चात उसे रेडियो कॉलर पहनाया गया। बाघिन को अंडर ऑब्ज़र्वेशन रखने हेतु आगामी कुछ दिनों के लिए मगधी परिक्षेत्र के बेहराह स्थित बाड़े में सुरक्षित रूप से रखा गया। योजना अनुसार समस्त स्वीकृति प्राप्त होते ही इस बाघिन को राजस्थान भेजा जा सकता है।

कलश शोभायात्रा के साथ श्रीराम कथा का शुभारंभ

उमरियापान। नगर के झंडा चौक स्थित सन्यासी महाराज मंदिर में 9 दिवसीय श्रीराम कथा का शुभारंभ किया गया। पहले दिन से ही कथावाचक पंडित नीरज गर्ग श्रद्धालुओं को श्रीराम कथा का भावपूर्ण रसपान करा रहे हैं। कथा के शुभारंभ अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।गुरुवार को भव्य कलश शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा सन्यासी महाराज मंदिर से प्रारंभ होकर बड़ी माई मंदिर होते हुए पुनः मंदिर परिसर में संपन्न हुई। शोभायात्रा में महिलाएं एवं बालिकाएं सिर पर कलश लेकर श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ शामिल हुईं।

गाइडों पर गिरी नोटिस की गाज, व्यवस्था पर उठे सवाल

बांधवगढ़ में मोबाइल प्रतिबंध पर बवाल

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व में सफारी के दौरान मोबाइल फोन के उपयोग को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। पर्यटन अधिकारी द्वारा ताला ज़ोन में ड्यूटी पर रहे गाइडों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में आरोप है कि 5 फरवरी 2026 की शाम पारी में पर्यटकों द्वारा मोबाइल से फोटोग्राफी की जा रही थी, जिसे गाइडों ने नहीं रोका। पर्यटन विभाग ने नोटिस में साफ कहा है कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार टाइगर रिज़र्व के अंदर मोबाइल फोन का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित है। इस संबंध में वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पहले ही दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

क्या कहता है नोटिस

पर्यटन अधिकारी द्वारा गाइडों को जारी नोटिस के अनुसार सफारी के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग पाया गया। गाइडों द्वारा पर्यटकों को नहीं रोका गया, पर्यटन नियमों और पार्क प्रबंधन के निर्देशों का उल्लंघन हुआ। इसे लेकर 24 घंटे में स्पष्टीकरण नहीं देने पर एकपक्षीय कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

मोबाइल प्रतिबंध सही

हालांकि नियमों की सख्ती को लेकर कोई विवाद नहीं है, लेकिन इस पूरे मामले ने व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि यदि मोबाइल फोन प्रतिबंधित हैं तो, प्रवेश गेट पर मोबाइल क्यों नहीं जमा कराए जाते? यदि जमा कराए जाते हैं, तो मोबाइल अंदर पहुंचा कैसे पहुंचा, वहीं लोगों का कहना है कि मोबाइल वाहन के लॉकर में रखे और क्या इसकी कोई लिखित या स्थायी व्यवस्था मौजूद है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नियम सिर्फ कागजों में सख्त हैं, जमीन पर उनका पालन कराने की जिम्मेदारी तय नहीं है।

साहब हम गाइड हैं, गार्ड नहीं

जारी किए गए बेतुके खर्रे से कई गाइड नाराज़ हैं, उनका मानना है कि प्रशासन अपनी नाकामियों को छिपाने और अपने को नियम कायदों का मुस्तैद बताने मुंहदेखी कार्यवाही की आड़ में वरिष्ठ अधिकारियों के आगे अपनी पीठ थपथपाने के लिए ऐसा कर रहा है। क्योंकि कई रसूखदार और पूंजीपति रिसोर्ट संचालकों के गेस्टों पर नियम टूटते देर नहीं लगती। नाम न छापने की शर्त पर कुछ गाइडों का कहना है कि गाइड का काम नियम बताना है, जबरदस्ती करना नहीं। उनके पास पर्यटकों से मोबाइल छीनने का कोई अधिकार नहीं है और सफारी के दौरान हर पल हर पर्यटक पर नजर रखना संभव भी नहीं है। प्रवेश के समय मोबाइल जांच की जिम्मेदारी संबंधित स्टाफ की है। गाइडों का आरोप है कि प्रवेश

कार्यालय पर्यटन अधिकारी, ताला

व्यवस्था की कमी का ठीकरा गाइडों पर फोड़ा जा रहा है। जबकि इस मसले और तेज गति वाहन को लेकर कई बार गाइडों ने उचित व्यवस्था को लेकर मांग की है।

किसकी होगी जिम्मेदारी

पर्यटन क्षेत्र से जुड़े जानकारों का मानना है कि मोबाइल प्रतिबंध का पालन कराना प्रवेश गेट, चेक पोस्ट, पार्क प्रबंधन और गाइड सभी की संयुक्त जिम्मेदारी है, लेकिन सिर्फ गाइडों पर कार्रवाई करना न तो समाधान है, न ही न्यायसंगत। फिलहाल पर्यटन अधिकारी ने गाइडों से 24 घंटे के भीतर जवाब मांगा है। जवाब संतोषजनक न होने पर कार्रवाई की बात कही गई है। इस मामले ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है, कि क्या पार्क प्रबंधन नियम लागू कराने के लिए कोई ठोस और व्यावहारिक व्यवस्था बनाएगा या कार्रवाई सिर्फ निचले स्तर तक ही सीमित रहेगी। जबकि पार्क क्षेत्र के बड़े अधिकारी से उनके अधीनस्थ कर्मचारियों की लापरवाही पर कार्यवाही के सवाल खड़े हो गए हैं।

जीपीएस के बावजूद तेज रफ्तार

पार्क प्रबंधन द्वारा सफारी वाहनों में जीपीएस सिस्टम लगाए गए हैं, ताकि वाहनों की गति और मूवमेंट पर निगरानी रखी जा सके। लेकिन जंगल के भीतर कई वाहन निर्धारित गति सीमा से अधिक रफ्तार से दौड़ते नजर आते हैं। सूत्र तो यह भी बताते हैं कि जीपीएस लगा होने के बाद भी गति सीमा का पालन नहीं हो रहा। यदि रियल टाइम मॉनिटरिंग हो रही होती, तो तेज रफ्तार पर तुरंत कार्रवाई संभव थी। लेकिन ज़मीनी हकीकत में निगरानी व्यवस्था सिर्फ औपचारिकता बनकर रह गई है।

बाल अधिकार संरक्षण विषय पर यूनीसेफ की विशेष कार्यशाला

उमरिया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) राजा बाबू सिंह के कुशल मार्गदर्शन और संवेदनशील सोच के अंतर्गत नवआरक्षकों के बुनियादी प्रशिक्षण में बाल अधिकार संरक्षण विषय को एक पृथक पेपर के रूप में जोड़ा गया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) पु0मु0 के निर्देशन एवं मुकेश वैश्य, पुलिस अधीक्षक पीटीएस उमरिया के मार्गदर्शन में पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय उमरिया में प्रशिक्षणरत 39वॉ नवआरक्षक बुनियादी प्रशिक्षण सत्र के प्रशिक्षु नवआरक्षकों के लिए बाल अधिकार संरक्षण विषय पर 2 दिवसीय कार्यशाला यूनिसेफ के सहयोग से आयोजित की जा रही है जिसका शुभारंभ उप पुलिस अधीक्षक पीटीएस उमरिया लवली सोनी द्वारा किया गया। उप पुलिस अधीक्षक ने कहा कि बाल अधिकार संरक्षण एक महत्वपूर्ण एवं अति संवेदनशील विषय है । पुलिस के रूप में हमारी भूमिका समाज में संरक्षक की होती है।बच्चों के साथ घटित अपराध एवं बच्चों के द्वारा घटित अपराध दोनों में संवेदनशीलता के अनुसार कार्यवाही करने की आवश्यकता होती है। प्रशिक्षक अमरजीत कुमार सिंह, राज्य सलाहकार यूनिसेफ मध्य प्रदेश कार्यालय,विजय यादव,बाल संरक्षण विशेषज्ञ आरंभ संगठन, राशि अश्वानी बाल संरक्षण विशेषज्ञ मुस्कान संगठन, दिलीप पांडे बाल संरक्षण विशेषज्ञ उदय संगठन आदि प्रशिक्षकों की टीम द्वारा बच्चों के अधिकार के संबंध में व्याख्यान एवं जेंडर संवेदनशीलता विषय के संबंध में प्रभावी प्रशिक्षण प्रदान किया एवं बच्चों के संबंध में किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधान तथा बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, ऊर्जा डेस्क के बारे में जानकारी प्रदान की गई साथ ही विभिन्न केस स्टडी के माध्यम से बच्चों से संबंधित मामलों में पुलिस की भूमिका के बारे में अवगत कराया। प्रशिक्षण में सहायक लोक अभियोजन अधिकारी कपिल कुमार साहू, प्रभारी रक्षित निरीक्षक रामदुलारे प्रजापति, प्रभारी आंतरिक प्रशिक्षण निरीक्षक रविशंकर कोकड़े, निरीक्षक सारिका शर्मा, निरीक्षक श्रीमती सुनीता गुप्ता, निरीक्षक श्रीमती मीना आर्मो एवं समस्त प्रशिक्षु नवआरक्षक उपस्थित रहे।

ओसीएम आमाडांड में श्रमिक उत्पीड़न का गंभीर आरोप, बीएमएस ने दी आंदोलन की चेतावनी

विजय सिंह अध्यक्ष भारतीय मजदूर संघ जमुना कोतमा क्षेत्र का कड़ा बयान

बदरा/जमुना। ओसीएम आमाडांड परियोजना में अनुचित श्रम व्यवहार और मानसिक प्रताड़ना का गंभीर मामला सामने आया है लिपिक ग्रेड 3 कर्मचारी अभिनव कुमार सिंह की तबीयत प्रबंधन की कथित प्रताड़ना के चलते अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें पहले कोतमा कॉलरी के क्षेत्रीय चिकित्सालय और फिर अपोलो अस्पताल, बिलासपुर में भर्ती कराना पड़ा, जहां उनका इलाज जारी है। इस पूरे घटनाक्रम पर विजय सिंह, अध्यक्ष भारतीय मजदूर संघ, जमुना कोतमा क्षेत्र ने कड़े शब्दों में प्रबंधन की निंदा की है विजय सिंह ने जारी बयान में कहा कि खान प्रबंधक एम. रामकृष्ण और डिस्पैच नोडल अधिकारी नितिन बाल्के द्वारा कर्मचारी को लगातार मानसिक दबाव में रखा गया अपनी कार्यालयीन समस्याओं को लेकर मुलाकात के दौरान हुई कथित प्रताड़ना के कारण ही 31 जनवरी को दोपहर लगभग 2:10 बजे अभिनव कुमार सिंह को चक्कर आया, वे गिर पड़े और उनके दोनों पैर अचानक काम करना बंद कर गए। विजय सिंह ने कहा, "यह केवल एक कर्मचारी की बीमारी नहीं, बल्कि प्रबंधन की असंवेदनशीलता और अनुचित श्रम व्यवहार का परिणाम है दुखद है कि घटना के बाद भी संबंधित अधिकारी कर्मचारी का हालचाल लेने तक नहीं पहुंचे" उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही बीएमएस के पदाधिकारी अस्पताल पहुंचे और उपचार में सहयोग किया। बीएमएस का आरोप है कि अभिनव कुमार सिंह, जो कि बीएमएस ओसीएम शाखा के सह-सचिव भी हैं, को लंबे समय से संगठन विरोधी दबावों के चलते परेशान किया जा रहा था। हालत की गंभीरता देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बिलासपुर रेफर किया। मामले को लेकर ओसीएम अध्यक्ष फ्रांसिस एंथोनी को पत्र लिखकर दोषी अधिकारियों पर तत्काल और सख्त कार्रवाई की मांग की गई है विजय सिंह ने चेतावनी दी कि यदि प्रबंधन ने निष्पक्ष जांच कर कठोर कदम नहीं उठाए, तो जनाक्रोश के साथ बृहद आंदोलन किया जाएगा उन्होंने स्पष्ट किया कि आवश्यकता पड़ने पर संगठन और पीड़ति परिवार पुलिस प्रशासन व न्यायालय की शरण लेने से भी पीछे नहीं हटेगा। इस घटना से क्षेत्र के श्रमिकों में भारी रोष है, और बीएमएस ने साफ संदेश दिया है, कर्मचारियों के सम्मान, स्वास्थ्य और अधिकारों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

निकाय सभागार में कर्मचारियों एवं जलप्रनिधियों की उपस्थिति में साप्ताहिक समीक्षा बैठक हुआ संपन्न

राजनगर। नगर परिषद डूमरकछार में शासन संचालित नागरिक मूलभूत सुविधाओं को जनसामान्य में सहज उपलब्धता हेतु 07 फरवरी दिन शनिवार को परिषद सभागार में डॉ. सुनील कुमार चौरसिया अध्यक्ष एवं जिला योजना समिति के सदस्य के मुख्यातिथ्य, निर्वाचित जन प्रतिनिधियों पार्षदगण चंदा देवी महरा, बिजेंद्र देवांगन, सरिता यादव, रवि सिंह, जीतेन्द्र चौहान, रंजीत वर्मा, राकेश दिवान, पार्षद प्रतिनिधि योगेश पालीवाल, विजय सिंह गोंड के आतिथ्य में परिषद पदाधिकारियों जनों के उपस्थिति, निकाय के अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति में समीक्षा बैठक आयोजित की गयी, जिसमें नगर में कराए गए विभिन्न जनहितैषी कार्यों, अमृत. 02 के तहत संचालित कार्यों की समीक्षा, सड़क, नाली, पाथवे, कार्यालय भवन निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत हितग्राहियों को आवास वितरण, पेयजलापूर्ति हेतु पाईपलाइन विस्तार, आयुष्मान तथा आधार कार्ड, विशुद्ध मतदाता सूची हेतु एसआईआर, विभिन्न विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में संकल्प से समाधान शिविर का आयोजन, निकाय क्षेत्र के माध्यमिक, हाईस्कूल विद्यालयीन छात्र-छात्राओं को नगर तथा जिले में उत्तम स्थान प्राप्त किए जाने पर पुरस्कृत किया जाना, जल-गंगा संवर्धन अभियान के तहत कुएं व बावड़ियों की सफाई एवं जीर्णोद्धार, प्रतिवर्ष मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत श्रद्धालुओं को लाभान्वित कराने, पार्क व मुक्तिधाम का सौंदर्यीकरण कार्यों, निकाय में संचालित हेल्प डेस्क के माध्यम से जनहितैषी कार्यों को नागरिकों तक पहुंचाने सहित एंव विषयों पर चर्चा की गयी, साथ ही निकाय के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा जन सामान्य को सुविधाएं मुहैया कराने एवं विधानसभा प्रश्न एवं आकस्मिकताओं के तहत शनिवार अवकाश के प्रतिबंध पर चर्चा की गयी, निकाय अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में संबोधित किया कि शासन संचालित योजनाओं को निर्वाचित जनप्रतिनिधियो, निकाय के विभाग प्रमुखों, सभी कर्मचारियों के द्वारा अंत्योदय तक उपलब्ध कराना हम सब का प्रथम लक्ष्य है, और आगामी समय में हम इसे और भी बेहतरीन तरीके से प्रस्तुत करने कर जनहित में पूर्ण करने का पूरा प्रयास रहेगा।

खुलेआम मीट मछली की बिक्री धड़ल्ले से जारी

मुख्यमंत्री के निर्देशो की अवहेलना

कोतमा। नगर के बाजार क्षेत्र एवं उसके आसपास आधा सैकड़ा से ज्यादा दुकानें लगाई जा रही है। जिसके कारण सुबह धार्मिक स्थल एवं स्कूल जाने वाली छात्राओं को भारी दुर्गंध एवं शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ता है। जिम्मेदारों की उदासीनता का आलम यह है कि नपा कर्मचारी उन्हीं दुकानदारों से प्रतिदिन जाकर बाजार बैठकी वसूलते है। रेलवे सुरक्षा कर्मचारी भी मासिक लाभ लेते है। नगर के रेलवे लाइन किनारे 20 से ज्यादा दुकानो में मांस मछली का विक्रय किया जाता है जिनकी गंदगी सड़क तक फैली रहती है। पास में मंदिर होने से महिलाओं की आस्था को अपवित्र किया जाता है। कई बार शिकायत राजस्व एवं नगरपालिका से किया गया लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हो सकी। दिखावे के लिए दो चार दिन पर्दा लगा दिया जाता है। एक ओर नगर के विभिन्न वार्डों में बेधड़क मांस की दुकानें संचालित हो रही हैं वहीं दूसरी ओर नपा एवं स्थानीय प्रशासन पूरी तरह नींद में नजर आ रहा है। जिसको लेकर नागरिकों, महिलाएं एवं छात्राओं में भारी नाराजगी देखी जा रही है। बनियाटोला एवं बाजार आवागमन के दौरान सड़क से ही मीट की खुली दुकानें वीभत्स तरीके से नजर आती हैं। नागरिकों का कहना है कि मुख्यमंत्री के प्रथम आदेश की अवहेलना नगर पालिका द्वारा किया जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिंताजनक स्थिति है।

45 लाख के भवन में नशेड़ियों का कब्जा

बाजार से दूर वार्ड क्रमांक 11 कॉलेज रोड पर 45 लाख रुपए की लागत से फिश मार्केट का निर्माण करवाया गया था। लेकिन नपा द्वारा दुकानों का संचालन नहीं करवाए जाने के कारण असामाजिक तत्वों ने कब्जा करते हुए नशे सहित अवांछित गतिविधियों का अड्डा बना दिया है।

खंडहर हो गया फीस मार्केट

नगर के वार्ड क्रमांक 11 कॉलेज रोड में विशेष निधि से फीस मार्केट का निर्माण कर सांसद विधायक एवं जनप्रतिनिधियों के द्वारा किया गया था और उसमें दुकान बनवाई गई थी कुछ दिन तक तो एकाध दुकाने संचालित हुई लेकिन उसके बाद वर्तमान में वह भवन खंडहर नजर आ रहा है जिसको देखना ना तो जन प्रतिनिधि और ना ही अधिकारियों को फुर्सत है बस भवन के लोकार्पण के समय फोटो खिंचवाने के लिए सब पहुंच जाते हैं। रेलवे कॉलोनी के पास दो दर्जन से ज्यादा लग रही मीट दुकानों के कारण सबसे ज्यादा परेशानी स्कूल कॉलेज जाने वाली छात्राओं को उठाना पड़ता है। जिन्हें सुबह होते ही बदबू एवं बीच सड़क में मीट के टुकड़ों के बीच आना जाना करने की विवशता हो चुकी है। दूसरी ओर बनिया टोला से बाजार मंदिर आने वाली महिलाएं को सुबह से ही मांस की दुर्गंध का सामना करना पड़ता है।

रेल्वे की उदासीनता पड़ रही भारी

रेलवे लाइन किनारे खुलेआम सजी मीट मटन की दुकानों को हटाने के लिए रेल प्रबंधन भी उदासीनता साफ देखी जा सकती है। सूत्रों के अनुसार कुछ कर्मचारियों के द्वारा दुकान लगाने के बदले मासिक वसूली भी की जाती है। हॉल में ही सभी दुकानों को हटाने की कार्यवाही की गई है।

इनका कहना है

सयुक्त टीम के द्वारा फिर से दुकानों को बंद कराया जाएगा।

भरत कुमार चौधरी
रेलवे सुरक्षा प्रभारी मनेंद्रगढ़

प्रधानमंत्री के 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक की सहभागिता

अमरकंटक। मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक में दिनांक 6 फरवरी शुक्रवार को प्रातः 10 बजे से 11 बजे तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बहुप्रतीक्षित 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम का सजीव प्रसारण विद्यालय के विशाल सभा-हाल में किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अत्यंत उत्साह एवं एकाग्रता के साथ सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए प्रेरक उद्बोधन को तन्मयता से सुना। प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, समय प्रबंधन और लक्ष्य निर्धारण के महत्व को समझाते हुए परीक्षा के दौरान तनावमुक्त रहकर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विद्यार्थियों को जागरूक किया। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन से प्रेरित होकर छात्र-छात्राओं ने परीक्षा को बोझ नहीं, बल्कि अवसर के रूप में स्वीकार करने तथा मानसिक संतुलन बनाए रखते हुए आगे बढ़ने का दृढ़ संकल्प लिया। विद्यालय के प्राचार्य आशीष शुक्ला ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री का यह संवाद छात्र-छात्राओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया मार्गदर्शन विद्यार्थियों को सकारात्मक दृष्टिकोण, अनुशासन एवं आत्मबल विकसित करने की दिशा दिखाता है, जिससे उनका मानसिक विकास सुदृढ़ होता है और वे बिना तनाव के परीक्षा में सफल हो सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक डी.एस. सेंगर, राजीव कुमार झा, ओ.एस. चौहान, सचिन जाटव, मनोरमा कौशल, अंबिका राय, एन.के. पटेल, रमेश सिंह, एम.एल. कोरी सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यालय कर्मचारी उपस्थित रहे। 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को परीक्षा के भय से मुक्त कर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देना रहा, जिसे विद्यार्थियों ने पूर्ण रूप से आत्मसात किया।

सड़क पर पड़ी निर्माण सामग्री को हटवाए जाने की मांग

कोतमा। नगर के टैक्सी स्टैंड से भालूमाड़ा जाने वाले रास्ते में सड़क के एक ओर नगर पालिका के द्वारा ठेकेदार के माध्यम से सड़क के किनारे पेवर ब्लॉक लगाए जाने का कार्य किया जा रहा है ठेकेदार के द्वारा पेवर ब्लॉक लगाने के लिए सड़क के किनारे की मिट्टी की खुदाई करवाई गई है और उस मिट्टी को सड़क में ही रखवा दिया गया है साथ ही निर्माण सामग्री रेत गिट्टी डस्ट को भी को भी सड़क पर ही रखवा दिया गया है जिसके कारण लोगों को आवागमन करने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। जब कि यह मार्ग बहुत ही व्यस्त मार्ग है इसी रास्ते से एसडीम, तहसील, न्यायालय, जनपद के साथ ही स्कूल एवं कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राओं का आना-जाना है साथ ही जमुना भालूमाड़ा जाने के लिए इसी मार्ग से होकर लोगों का आना-जाना 24 घंटे बना रहता है। सड़क पर ही निर्माण सामग्री होने के कारण प्रतिदिन दुर्घटना घटित हो रही है गुरुवार की दोपहर एक ही स्कूटी सवार महिला गिट्टी में गिरकर चोटील हो गई थी दूसरी घटना गुरुवार को रात्रि में 9:00 बजे के लगभग घटी जब एक मोटरसाइकिल वाला कोतमा की ओर आ रहा था और गिट्टी नजर नहीं आई जिसके कारण वह दो पहिया वाहन से गिरकर छोटी हो गया। ठेकेदार की लापरवाही का खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है वही प्रतिदिन जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। नागरिकों ने नगर पालिका अधिकारी से सड़क पर पड़ी निर्माण सामग्री को हटवाए जाने की मांग की है।

खबर संक्षेप

अलग अलग स्थानों से 13 जुआरी गिरफ्तार

कटनी। माधवनगर और एन.के.जे. पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर कुल 13 जुआरियों को रंगे हाथों पकड़ा है। पुलिस ने इनके पास से ताश के पत्ते और 21,440 रुपये नगद बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार माधवनगर पुलिस ने एडीएम लाइन में दो अलग-अलग फड़ पर छापा मारा। पुलिस ने बताया कि एडीएम लाइन क्षेत्र में दोपहर करीब 2:30 बजे पुलिस ने घेराबंदी कर जुआरियों को पकड़ा। पकड़े गये जुआरियों में आशीष वैंजानी, भानू उर्फ भरत कुकरेजा, दीपक पोहानी और मुकेश मानुजा को जुआ खेलते पकड़ा। इनके पास से 9,850 रुपये नगद जब्त किए गए। इसके बाद एक घंटे बाद 3:30 बजे दूसरे जुआफड़ में दबिश दी और जुआरियों को दबोचा। जुआरियों में विनीत वाधवानी, विरेन्द्र नागदेव, रितेश धामेचा, राकेश जैसवानी और जितेन्द्र उर्फ मूला को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से 11,250 रुपये बरामद हुए। इसी तरह एनकेजे पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गाताखेड़ा क्षेत्र में दबिश दी। यहाँ एक आम के पेड़ के नीचे जुआ खेल रहे चार जुआरियों कमलेश चौधरी, देवानंद कोल, मुलीचंद्र कोल और उत्तम कोल को रंगे हाथों पकड़ा गया। पुलिस ने मौके से 340 रुपये और ताश की गड्डी जब्त की है।

एटीएम कार्ड बदलकर महिला से एक लाख की ठगी

कटनी। रंगनाथ नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बरगवां स्थित यूनियन बैंक के एटीएम में धोखाधड़ी अज्ञात व्यक्ति ने चालाकी से महिला का एटीएम कार्ड बदलकर उसके खाते से एक लाख रुपये पार कर दिए। जानकारी के अनुसार सुशीला कोल 45 वर्ष निवासी बावली टोला मदन मोहन चौबे वार्ड बीते 3 फरवरी को सुबह लगभग 10:30 बजे बरगवां स्थित यूनियन बैंक के एटीएम से पैसे निकालने गई थीं। इसी दौरान वहां मौजूद एक अज्ञात व्यक्ति ने मदद करने के बहाने महिला का एटीएम पिन देख लिया और नजर बचाकर उसका कार्ड बदल दिया। महिला को ठगी का अहसास तब हुआ जब उसके खाते से पैसे कटने के मैसेज आए। इसके बाद पीड़िता ने रंगनाथ नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने 5 फरवरी को मामले में एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 318(4) BNS के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस एटीएम बूथ और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपी की पहचान की जा सके।

देर रात तक डीजे बजाने पर वाहन समेत सामग्री जब्त

कटनी। कुठला थाना क्षेत्र के अंतर्गत जलसा मैरिज गार्डन के पास देर रात तेज आवाज में डीजे बजाने वाले एक वाहन पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सारा सामान जब्त कर लिया है। शुक्रवार रात लगभग 9:57 बजे से 11:55 बजे के बीच जलसा मैरिज गार्डन के बाहर मुख्य मार्ग पर एक लोडर वाहन में लगे डीजे सिस्टम से अत्यंत तेज आवाज में संगीत बजाया जा रहा था। इससे आसपास के रहवासियों को काफी परेशानी हो रही थी और शांति भंग हो रही थी। सूचना मिलते ही निरीक्षक राजेन्द्र मिश्रा ने दल-बल के साथ मौके पर पहुँचकर कार्रवाई की। पुलिस ने पाया कि डीजे संचालक बिना किसी अनुमति के निर्धारित सीमा से अधिक शोर कर रहा था। पुलिस ने मौके से लोडर वाहन क्रमांक MP 21 G 2484 को चालू हालत में जब्त किया। वाहन में लदे निम्नलिखित उपकरणों को भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है जिनमें 4 टॉप बॉक्स एवं 4 बेस बॉक्स, 7 लाइट उपकरण 4 SRP एक्सिस और 3 स्टोप लाइट, एम्पलीफायर एक 3 किलोवाट और एक 5 किलोवाट एवं एक जनरेटर, एक क्रॉस ओवर और एक मिक्सर शामिल है। पुलिस ने तेजस्वी गुप्ता पर प्रकरण दर्ज किया है।

सोहागपुर क्षेत्र के कर्मचारियों के भविष्य पर संकट, मुख्यालय से हस्तक्षेप की मांग

श्रम शक्ति बजट स्वीकृत, फिर भी पदोन्नति लंबित

धनपुरी। एसईसीएल के सोहागपुर क्षेत्र में श्रम शक्ति बजट 2025-26 स्वीकृत होने के बावजूद कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं होने से कर्मचारियों में गहरा असंतोष व्याप्त है। इस गंभीर विषय को लेकर कोयला मजदूर सभा (एचएमएस) के संयुक्त सलाहकार समिति सदस्य एस.एन. मिश्रा ने एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर में पदस्थ निदेशक (मानव संसाधन) को विस्तृत पत्र भेजकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि कंपनी मुख्यालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए स्वीकृत श्रम शक्ति बजट के अंतर्गत सोहागपुर क्षेत्र में कर्मचारियों की पदोन्नति की जानी थी, लेकिन क्षेत्रीय स्तर से आज दिनांक तक एक भी कर्मचारी का पदोन्नति आदेश जारी नहीं किया गया है। जबकि प्रबंधन द्वारा श्रम संघ को 30 नवंबर तक पदोन्नति आदेश जारी किए जाने का स्पष्ट आश्वासन दिया गया था।

आश्वासन के बाद भी कार्रवाई शून्य

श्रम संघ की ओर से यह मुद्दा कई बैठकों में बार-बार उठाया गया, लेकिन अब तक न तो कोई समय-सीमा तय की गई और न ही पदोन्नति की प्रक्रिया प्रारंभ हुई। इससे कर्मचारियों में यह भावना प्रबल हो रही है कि उनके साथ अन्याय किया जा रहा है।

प्रबंधकीय व्यवस्था पर भी सवाल

पत्र में यह भी कहा गया है कि वर्तमान समय में सोहागपुर क्षेत्र की प्रबंधकीय स्थिति को देखते हुए क्षेत्रीय स्तर पर पदोन्नति होने की संभावना बेहद कम दिखाई दे रही है। ऐसे में कर्मचारियों को यह आशंका सताने लगी है कि कहीं स्वीकृत पदों के बावजूद वे पदोन्नति के लाभ से वंचित न रह जाएं।

पद कालातीत होने का खतरा

एस.एन. मिश्रा ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते पदोन्नति नहीं की गई तो स्वीकृत पद कालातीत हो सकते हैं, जिससे न केवल कर्मचारियों का भविष्य प्रभावित होगा बल्कि संगठनात्मक ढांचे पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा।

मुख्यालय से पदोन्नति या विशेष अधिकारी की मांग

श्रम संघ ने निदेशक (मानव संसाधन) से मांग की है कि या तो सोहागपुर क्षेत्र के पदोन्नति योग्य पदों की प्रक्रिया सीधे कंपनी मुख्यालय से पूरी कराई जाए, अथवा मुख्यालय से किसी विशेष अधिकारी को प्रतिनियुक्त कर क्षेत्र में पदोन्नति कार्य शीघ्र संपन्न कराया जाए।

कई अधिकारियों को भेजी गई प्रतिलिपि

इस पत्र की प्रतिलिपि एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक, महाप्रबंधक (औद्योगिक संबंध एवं प्रशासन), महाप्रबंधक (श्रम शक्ति), प्रबंधक (मानव संसाधन) तथा केंद्रीय कोयला मजदूर सभा के अध्यक्ष/महामंत्री को भी भेजी गई है।

कर्मचारियों में रोष

सोहागपुर क्षेत्र के कर्मचारियों और श्रम संघ का कहना है कि यदि शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो कर्मचारियों में असंतोष और बढ़ेगा। सभी की निगाहें अब कंपनी मुख्यालय पर टिकी हैं कि वह इस मामले में कब और क्या निर्णय लेता है।

नियुक्ति होते ही गायब हुई सहायिका

बिरसिंहपुर पाली। महिला बाल विकास विभाग पाली के जनपद पंचायत पाली के महरोई ग्राम पंचायत के अरहरिया दादर आंगनबाड़ी केन्द्र में नव नियक्त सहायिका पद पर रीनू यादव नियुक्ति दिनांक से ही आज तक अपने आंगनबाड़ी केन्द्र नहीं पहुंची। बताया जाता है कि अरहरिया दादर आंगनबाड़ी केन्द्र में सहायिका के पद पर रीनू यादव की नियुक्ति पर परियोजना कार्यालय से अक्टूबर 2025 में विधिवत की गयी थी, जो नियुक्ति पत्र मिलते हुए ही अक्टूबर में ही परियोजना कार्यालय पाली में तो अपनी उपस्थित दर्ज करा दी है, लेकिन आंगनबाड़ी केन्द्र अरहरिया दादर आज तक नहीं पहुंची, जिसकी सूचना / शिकायत ग्रामीण जनों के व्दारा परियोजना कार्यालय में की गयी थी, जिस पर परियोजना अधिकारी और सुपर वाइजर के व्दारा आंगनबाड़ी केन्द्र का भ्रमण कर वस्तु स्थित का जायजा लिया गया, और सहायिका के नियुक्ति दिनांक से अनुपस्थिति होने के कारण रीनू यादव सहायिका के सर्विस रिकॉर्ड में दर्ज पते पर लगातार नोटिस भेजी गई, लेकिन सभी रजिस्टर्ड नोटिस वापस हो गयी। तब परियोजना अधिकारी के व्दारा विधिवत नोटिस चस्पा करते हुए पंचनामा बनाया गया, लेकिन परियोजना अधिकारी के व्दारा की गयी इस कार्यवाही किये महीनों बीत रहे हैं ,लेकिन इस मामले में आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गयी। इस मामले में परियोजना अधिकारी पाली से चर्चा करने में उन्होंने बतलाया की शिकायत की जांच करने पर सही पायी गयी है और उच्च अधिकारियों को इस मामले की विधि वत जानकारी दी गई है, उच्च अधिकारियों से मिले निर्देशों के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी। ग्रामीणों ने बतलाया की आंगनबाड़ी सहायिका के नियुक्ति दिनांक से गायब होने का मामला अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पाली के यहाँ पिछले एक महीने से लंबित पडी है। ग्रामीणों ने बतलाया की नियुक्ति होते ही इस मामले में राजनीति होने लगी है और कतिपय राजनेताओं के दखल के कारण बिना उपस्थित के ही नौकरी पकाना चाहती है। आंगनबाड़ी सहायिका की नियुक्ति जिस उद्देश्य से किया गया था, वह सहायिका के अनुपस्थिति रहने के कारण उदेश्यो की पुर्ति नहीं हो पा रही है। उच्च प्रशासनिक अधिकारियों से जनापेक्षा है की इस मामले में वैधानिक कार्यवाही की जाये

पाली के शिव शक्ति कुटिया धाम में श्रीमद् भागवत कथा की होगी अमृत वर्षा

बहु प्रसिद्ध कथा वाचक प्रदीप कृष्णा जी के श्री मुख से बहेगी अमर कथा की गंगा

बिरसिंहपुर पाली। जिले के बिरसिंहपुर पाली में वार्ड नं. 02 में स्थित शिव शक्ति कुटिया धाम में अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पूज्य पाद प्रदीप मिश्रा जी महाराज वृंदावन धाम की अमृत मयी भागवत कथा, भगवद चरित्रों का वर्णन श्री महराज जी के मुखारविंद से संपन्न होगी। पाली का प्रसिद्ध शिव शक्ति कुटिया धाम में पाली की महिला मंडल एवं समस्त सहयोगी जनों के कृत संकल्प से 8 फरवरी से 15 फरवरी के बीच संपन्न होगी। यह कथा 8 फरवरी से शुरू होकर अनवरत रूप से चलेंगी जिसकी पूर्णाहुति रूद्राभिषेक और विशाल भंडारा का कार्यक्रम 15 फरवरी को पूर्ण होगा। इस आयोजन की शुरुआत 8 फरवरी को शोभा यात्रा से होगी और कथा का शुभारंभ 9 फरवरी को सुखदेव पूजन कुंती अस्ति चरित्र 10 फरवरी को ध्रुव चरित्र प्रहलाद चरित्र कथा 11 फरवरी को वामन चरित्र राम चरित्र कृष्ण जन्मोत्सव 12 फरवरी को बाल लीला 56 भोग गोवर्धन पूजा 13 फरवरी को राम लीला रुक्मणी विवाह द्वारिका लीला 14 फरवरी को सुदामा चरित्र परीक्षित मोक्ष संपूर्ण भागवत चढौत्री एवं 15 फरवरी को रुद्राभिषेक एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। महिला मंडल के गणमान्य नागरिकों , जनप्रतिनिधियों, भागवत प्रेमियों से आग्रह किया है की इस पावन अवसर पर पहुँच कर आनन्द पूर्वक रसपान करें।

आधी रात में छापामार कार्यवाही कर एक हाइवा किया गया जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा जिला टास्क फोर्स की बैठक में अवैध खनिज परिवहन एवं उत्खनन के विरुद्ध कडी कार्यवाही करने के दिए गये निर्देश के पालन में खनिज अमले द्वारा जिले के अलग-अलग स्थानों पर योजना बनाकर कार्यवाहियां की जा रही है। इसी क्रम में तहसील विजयराघवगढ़ के ग्राम जमुवानी में लेटराईट खनिज का अवैध खनन कर परिवहन करते पाये जाने पर खनिज टीम द्वारा हाईवा जब्त किया गया ।ज्ञात हो कि कलेक्टर श्री तिवारी ने खनिज अमले को योजना बनाकर रात्रिकालीन कार्यवाही हेतु निर्देशित किया था। खनिज अमले ने बुधवार की रात 10 बजे से गुरुवार की सुबह 4बजे तक जिले कि विभिन्न तहसीलों में वाहनों की सघन जांच की । जिसमें कटनी से बड़बारा - विलायतकला मार्ग पर खनिज परिवहन करने वाले वाहनों में रायल्टी दस्तावेजों की जांच की गई। इसके बाद बड़वारा रोहनिया-बसाडी-बरही मार्ग मे जांच की गई

चिलिंग प्लांट का औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर डिप्टी कलेक्टर प्रदीप मिश्रा एवं उपसंचालक पशुपालन डॉ. आर के सोनी ने संयुक्त रूप से सांची मिल्क चिलिंग प्लांट स्लीमानाबाद का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दुग्ध संकलन, सैम्पलिंग, फैट टेस्टिंग, चिलिंग एवं डिस्ट्रीब्यूशन तक पूरी प्रक्रिया का जायजा लिया गया। साथ ही निष्क्रिय समितियों को सक्रिय करने हेतु एवं मिल्क कलेक्शन बढ़ाने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। इसके साथ ही कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र स्लीमनाबाद का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दोनों संस्थाओं में पानी एवं एप्रोच रोड की समस्याओं के तत्काल निदान हेतु नायब तहसीलदार आकाशदीप नामदेव एवं स्थानीय सरपंच प्रतिनिधि श्री गुड्डन सिंह को आवश्यक कार्यवाही के लिये निर्देशित किया।

कूड़ा दान खरीदी में अनियमितताओं के आरोप

ढीमरखेड़ा। जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा में पंचायतों को वितरित किए जाने वाले कूड़ा दानों की खरीदी को लेकर अनियमितताओं के गंभीर आरोप सामने आए हैं। जानकारी के अनुसार 46 हजार रुपये की लागत से 9 कूड़ा दान बुलवाए गए हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर देखने और पूछताछ करने पर इनकी वास्तविक कीमत इससे काफी कम बताई जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि जिन कूड़ा दानों की अनुमानित बाजार कीमत कम है, उन्हें जनपद पंचायत द्वारा अधिक दरों पर खरीदा हुआ दर्शाया गया है। आरोप यह भी लगाए जा रहे हैं कि इस पूरी प्रक्रिया में जनपद पंचायत के अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध है और नियमों को दरकिनार कर खरीदी की गई है। सूत्रों के अनुसार सामान्य गुणवत्ता वाले प्लास्टिक, लोहे के कूड़ा दान की कीमत बाजार में अपेक्षाकृत कम है, जबकि जनपद द्वारा प्रस्तुत बिलों में कीमत को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया है।

जांच में यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह मामला सरकारी धन के दुरुपयोग की श्रेणी में आ सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायतों के विकास कार्यों के लिए मिलने वाली सीमित राशि में इस प्रकार की खरीदी से अन्य जरूरी कार्य प्रभावित होते हैं। उन्होंने इस पूरे मामले की जिला प्रशासन और उच्च स्तरीय जांच एजेंसी से निष्पक्ष जांच की मांग की है।

त्रिशूल सनातन एकता यात्रा का पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

स्लीमनाबाद। स्लीमनाबाद सहित आसपास का क्षेत्र गुरुवार को जब भक्तिमय डूब गया,जब स्लीमनाबाद त्रिशूल सनातन हिन्दू एकता पहुंची। यात्रा में भारत का सबसे बड़ा त्रिशूल विराजमान था। यात्रा का बुधवार की मध्य रात्रि स्लीमनाबाद आगमन हुआ जहाँ रात्रि ठहराव स्लीमनाबाद हुआ। गुरुवार को यात्रा स्लीमनाबाद नगर से होते हुये कटनी के लिए गईं। यात्रा का स्लीमनाबाद व तेवरी में पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। यात्रा में जय जय श्रीराम के नारे गुंजायमान हो रहे थे!स्लीमनाबाद व तेवरी यात्रा प्रभारी सानू ठाकुर ने बताया कि छिंदवाड़ा से यात्रा प्रारम्भ हुई है जो अयोध्या धाम जा रही है। श्री विघ्नेश्वर धाम श्री रामजन्म भूमि शाहगंज अयोध्या धाम के संत अमित योगी इस एकता यात्रा का नेतृव्य कर रहे है। यह त्रिशूल 60 फिट ऊँचा, 11 फिट चौड़ा ओर स्टील से निर्मित 700 किलोग्राम वजन का है(छिंदवाड़ा से यह यात्रा 2 फ़रवरी को निकली इसके बाद सिवनी, जबलपुर होते हुए स्लीमनाबाद पहुंच कटनी जिले मै 5 फ़रवरी को प्रवेश किया!इसके बाद यात्रा कटनी से आगे सतना, रीवा होते हुए प्रयागराज पहुंचेंगी। इसके बाद प्रतापगढ़, अमेठी, सुल्तानपुर होते हुए अयोध्या धाम पहुंचेगी, जहाँ पर भारत के सबसे बड़े त्रिशूल की स्थापना विधि-विधान से की जाएगी। महात्रिशूल ओर भगवान के लगते जयकारों के बीच मार्गो पर श्रद्धालु टकटकी लगाए हुए थे। आगे -आगे यात्रा चल रही थी ओर श्रद्धालु भगवान के जयकारे लगा रहे थे। यात्रा में पुलिस व्यवस्था भी रही। इस दौरान बजरंग दल सुरक्षा प्रमुख सानू ठाकुर, जिला मंत्री राहुल मिश्रा,बाबा पांडेय, जिला सह मंत्री लकी अग्रहरि, शालू दुबे, कमलेश रजक,अंकुश साहू, जय दुबे, अमित जोगी,पंकज साहू, अमन असाटी सहित बड़ी संख्या मै श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

शिकार के लिये लगाये गये फंदे में फंसा था तेंदुआ, आरोपित गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

विजयराघवगढ़ के ग्राम दरौडी में गुरुवार को लोहे की फेंसिंग में फंसे तेंदुए का मामला में चौकाने वाला तथ्य सामने आया। वन विभाग की जांच में यह खुलासा हुआ है कि यह कोई सामान्य दुर्घटना नहीं बल्कि वन्यप्राणी के शिकार की एक सोची-समझी साजिश थी। विभाग ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बीट दरौडी से लगे राजस्व क्षेत्र में चैन लिंक फेंसिंग में फंसे तेंदुए को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की टीम और पशु चिकित्सकों ने कड़ी मशक्कत के बाद सफलतापूर्वक 'ट्रेंकुलाइज' किया। तेंदुए को सुरक्षित रेस्क्यू कर वापस जंगल में छोड़ दिया गया है। तेंदुआ के रेस्क्यू के बाद सतना वनमंडल की डॉग स्क्वाड टीम ने घटनास्थल पर सर्च ऑपरेशन चलाया। डॉग स्क्वाड की मदद से जो तथ्य सामने आए, वे चौंकाने वाले थे। फेंसिंग के पास ही शिकार के लिए लगाए गए 5 लोहे के फंदे बरामद हुए। डॉग की निशानदेही पर टीम सीधे संदिग्ध राजू सिंह के घर जा पहुंची। आरोपी के पास से खेत में फंदे लगाने के काम आने वाले 7 नग खूंटी और तार भी बरामद किए गए हैं। वन विभाग ने आरोपी राजू सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। विभाग ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत आरोपी के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए पेट्रोलिंग सख्त की जाएगी।

कुठला थाना क्षेत्र में हुई थी चाकूबाजी की वारदात, पुलिस ने की कार्यवाही

चाकू से कातिलाना हमला करने वाले दो सगे भाईयों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कुठला थाना अंतर्गत एक युवक पर कातिलाना हमला करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपितो को गिरफ्तार किया है। यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, एएसपी डॉक्टर संतोष डेहरिया, सीएसपी नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन में कुठला थाना प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र मिश्र के नेतृत्व में की गई। जानलेवा हमला करने वाले दोनो आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार मोहित पटेल निवासी हीरापुर कौड़िया ने रिपोर्ट लेख कराई कि 24/01/26 को रात्रि करीब 08:30 बजे वह सौरभ शुक्ला व आशीष पटेल के साथ मोटर साईकल से बस स्टेण्ड से पुरैनी जा रहा था । इंडिया होटल के आगे बजरंगबली मंदिर के पास ओम रजक एवं अंकित रजक ने लापरवाही से कट मारा, जिसे समझाने पर उन्होंने वाद व धक्का-मुक्की की, तत्पश्चात वे वहां से चले गये । रात्रि करीब 09:15 बजे जगन्नाथ मैरिज गार्डन के पास ओम रजक व अंकित रजक ने रास्ता रोककर गाली-गलौज करते हुए हाथ मुक्कों से मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी । इसी दौरान ओम रजक ने आशीष पटेल को जान से मारने के इरादे से चाकू से पेट में वार किया, जिससे आशीष पटेल के दाहिनी ओर पसली के नीचे चोट आई व खून निकलने लगा । बीच-बचाव करने पर आरोपी मौके से पन्ना तिराहा की ओर भाग गये। घटना के बाद आशीष पटेल को थाना कुठला लाया गया, जहां से अधिक रक्तस्राव होने पर जिला अस्पताल भिजवाया गया। घटना सूचनाकर्ता के सामने घटित हुई है। रिपोर्ट पर उचित वैधानिक कार्यवाही की जाये । जिसकी रिपोर्ट पर चाकू से बार करने पर आरोपियों के विरुद्ध हत्या के प्रयास की सुसंगत धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों की पता तलाश शुरू की गई।

विवेचना करते हुए घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों के बारे में सुराग जुटाये जिसके फलस्वरूप आरोपीगण अंकित रजक उर्फ अनिकेत पिता पीताम्बर उर्फ बुईया रजक 18 वर्ष एवं ओम रजक पिता पीताम्बर उर्फ बुईया रजक 20 वर्ष दोनो निवासी इण्डिया होटल के पीछे थाना कोतवाली को पकड़कर सघन पूछताछ करने पर घटना घटित करना स्वीकार किये तथा घटना में प्रयुक्त चाकू को जप्त किया गया है। आरोपी ओम रजक के विरुद्ध थाना कुठला जिला कटनी में 2 अपराध पंजीबद्ध है। कार्यवाही में निरीक्षक राजेन्द्र मिश्र के नेतृत्व में की गई जिसमें प्रधान आरक्षक राहुल मिश्रा, सुनील पाण्डेय एवं अन्य स्टॉफ की भूमिका रही।

खबर संक्षेप

बच्चों को ले कर जंगल चली गई मादा भालू

अनूपपुर। कोतमा इलाके में आमाडांड गांव के एक खंडहर घर में 30 दिन पूर्व मादा भालू ने दो बच्चों को जन्म दिया रहा निरंतर 30 दिन तक बच्चों की देखरेख करने, बच्चों के बड़े होने पर मादा भालू शुक्रवार एवं शनिवार की मध्य रात्रि अपने दोनों बच्चों को लेकर मलगा के जंगल में चली गई है जिसकी जानकारी वनविभाग द्वारा दी गई। विदित है कि अनूपपुर जिले के कोतमा वन परिक्षेत्र थाना एवं तहसील अंतर्गत आमाडांड पंचायत एवं गांव में पंचायत भवन के पीछे गोकुल पनिका के खंडहर घर के अन्दर 9 जनवरी को एक मादा भालू ने दो शावकों को जन्म दिया रहा था दोनों बच्चों की निरंतर देखभाल करने बच्चों के आंखे खुलने बाद उन्हें खंडहर घर से रात के समय बाहर निकाल कर घूमाते रहने बच्चों के बड़े होने से दोनों बच्चों को मादा भालू शुक्रवार एवं शनिवार की मध्य रात्रि खण्डहर घर से निकाल कर आमाडांड गांव से लगे मलगा के जंगल की ओर ले गई है परिक्षेत्र सहायक मलगा राजमणि सिंह, मलगा बीट वनरक्षक दादूराम कुशवाहा सुरक्षाश्रमिकों के साथ मादा भालू के खंडहर घर में ठहरे होने की सूचना के बाद से निरंतर निगरानी रखते हुए मादा भालू को खाने के लिए समय समय पर बेर बीही एवं अन्य खाने की सामग्री देते रहे हैं कुछ ग्रामीणों ने कुछ दिन पूर्व मादा भालू को बच्चों के साथ खंडहर घर के पीछे रात के समय मादा भालू को बच्चों को घूमाते देखा रहा इस दौरान खंडहर घर के नजदीक आने पर मादा भालू द्वारा एक ग्रामीण को घायल भी किया रहा है मादा भालू के बीच बस्ती में रहने से ग्रामीणों में भय की स्थिति रही मादा भालू के बच्चों के साथ जंगल जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

भागवत कथा में सुदामा चरित्र की सुनाई कथा

उमरियापान। समीपी ग्राम घुघरी में श्रीराम महायज्ञ एवं श्रीमद्भागवत महापुराण कथा चल रही है। भागवत कथा के दौरान गुरुवार को कथावाचक संत ब्रह्मानंद दास महाराज ने सुदामा चरित्र की मार्मिक कथा सुनाई, जिसे सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। कथा में सुदामा और श्रीकृष्ण की सच्ची मित्रता, सुदामा की निर्धनता, उनकी निष्काम भक्ति तथा श्रीकृष्ण द्वारा अपने मित्र को सम्मान देने के प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया गया। संत ब्रह्मानंद दास महाराज ने कहा कि सुदामा चरित्र सच्ची मित्रता, त्याग, विनम्रता और भगवान पर अटूट विश्वास का प्रतीक है।कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन के साथ कथा का रसपान किया। सुदामा चरित्र प्रसंग सुनकर अनेक श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं और पूरे पंडाल में भक्तिमय वातावरण बना रहा। आयोजक समिति सदस्यों ने बताया कि श्रीराम यज्ञ एवं भागवत कथा के साथ प्रतिदिन रात्रि में रामलीला का भी मंचन किया जा रहा है। धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

सरपंच ने कहा फर्जी हाजिरी की शिकायत निराधार

ढीमरखेड़ा। जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के अंतर्गत ग्राम पंचायत भमका में मनरेगा योजना में फर्जी हाजिरी लगाने का आरोप लगाया गया था जो कि जनपद सीईओ के द्वारा ग्राम पंचायत सरपंच बुद्धू लाल को नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगा गया था कि आपकी ग्राम पंचायत में आपके घर के लड़के बहू और पत्नी की फर्जी हाजी लगाकर राशि निकाली गई है इसमें आप स्पष्टीकरण देकर जवाब कार्यालय में प्रस्तुत करें। सरपंच बुद्धू लाल के द्वारा जनपद पंचायत सीईओ को अपने स्पष्टीकरण पत्र में यह उल्लेख किया गया है कि मेरे को इस विषय की जानकारी नहीं है कि मेरे परिवार के तीनों सदस्य बहू पत्नी और बेटे की हाजिरी किसने लगाई है और पैसे किसने लिया है, इस विषय की जानकारी नहीं है एवं परिवार के इन तीनों सदस्यों ने योजना में कार्य नहीं किया है और जो भी शिकायत की गई है वह निराधार है। मेरे विरोधियों के द्वारा इस तरह की शिकायत एवं आरोप लगाए जाते हैं जो की जांच में ऐसा कुछ भी नहीं पाया गया।

नन्हे दिव्यांग बच्चों की सेहत पर मंडरा रहा खतरा

दिव्यांग हॉस्टल परिसर में गंदे पानी का भराव

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 9 में स्थित दिव्यांग हॉस्टल के खाली पड़े ग्राउंड में नाली का गंदा पानी भर जाने से गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है। इस परिसर में संचालित प्राथमिक शाला और आंगनवाड़ी केंद्र में पढ़ने वाले नन्हे-मुन्ने दिव्यांग बच्चों को गंदे पानी के बीच से होकर आना-जाना पड़ रहा है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी खतरे लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अनूपपुर नगर के वार्ड नंबर 9 स्थित दिव्यांग हॉस्टल परिसर में लंबे समय से नाली के गंदे पानी का भराव बना हुआ है।

परिसर के भीतर एक प्राथमिक शाला संचालित है, जहां 19 दिव्यांग बच्चे नियमित रूप से अध्ययन के लिए पहुंचते हैं। इसके साथ ही इसी परिसर में वार्ड की आंगनवाड़ी केंद्र भी संचालित है, जहां लगभग 15 छोटे बच्चे प्रतिदिन आते हैं। स्थानीय वार्डवासियों के घरों से निकलने वाला गंदा पानी हॉस्टल तक तो पक्की नाली के माध्यम से पहुंचता है, लेकिन आगे समुचित निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण हॉस्टल के बगल से एक कच्ची नाली बना दी गई है। इसी कच्ची नाली से लगातार रिसाव होने के कारण गंदा पानी हॉस्टल के मैदान में भर रहा है।

दलदल बना मैदान, बच्चों की आवाजाही मुश्किल

लगातार जलभराव के कारण हॉस्टल का मैदान दलदल में तब्दील हो चुका है। बच्चों को स्कूल और आंगनवाड़ी तक पहुंचने के लिए इसी गंदे पानी और कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है। इससे बच्चों के गिरने, चोट लगने और संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है।

बीमारियों का बढ़ता खतरा

गंदे पानी के जमा होने से मच्छरों और कीटों का प्रकोप बढ़ रहा है। इससे डेंगू, मलेरिया, त्वचा रोग और पेट संबंधी बीमारियों की आशंका लगातार बनी हुई है। दिव्यांग और छोटे बच्चों के लिए यह स्थिति और भी अधिक खतरनाक साबित हो सकती है।

नहीं हुई कार्रवाई

विद्यालय के शिक्षकों और परिसर प्रबंधन द्वारा नगर पालिका को कई बार लिखित और मौखिक

शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इससे अभिभावकों और वार्डवासियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

स्थायी समाधान की मांग

स्कूल प्रबंधन और स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनकी मांग है कि नाली को पक्का किया जाए और गंदे पानी की स्थायी निकासी की व्यवस्था की जाए, ताकि दिव्यांग हॉस्टल, प्राथमिक शाला और आंगनवाड़ी में पढ़ने वाले बच्चों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण मिल सके।

खाकी के नशे में चूर लाइनमैन को दिखी औकात, अधीक्षण यंत्री ने उतारा घमंड

4500 की घूसखोरी और एसई से बदतमीजी पड़ी भारी तत्काल निलंबन, राजेन्द्रग्राम में किया अटैच

बदरा/जमुना। विनाश काले विपरीत बुद्धि की यह कहावत अनूपपुर जिले के कोतमा वितरण केंद्र में पदस्थ एक घूसखोर बिजली कर्मचारी पर बिल्कुल सटीक बैठती है। वर्दी और पद के नशे में चूर इस लाइनमैन ने पहले तो गरीब उपभोक्ता से अवैध वसूली की, फिर जिले के सबसे बड़े बिजली अधिकारी अधीक्षण यंत्री (एसई) से ही बदतमीजी कर बैठा। नतीजा यह हुआ कि एक झटके में निलंबन और 'सेटिंग' से दूर सुदूर राजेन्द्रग्राम अटैच कर दिया गया है। मामला कोतमा वितरण केंद्र का है, जहां लाइन परिचारक (नियमित) संतोष कुमार गुप्ता (कर्मचारी सं.-ई1810347) ने नियमों को ताक पर रखकर पयारी वार्ड क्रमांक-4 निवासी उपभोक्ता राजू चौधरी से नए कनेक्शन के नाम पर 4500 की अवैध रिश्वत वसूल ली। पीड़ति ने मजबूर होकर सीएम हेल्पलाइन (शिकायत क्रमांक 36561202) में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पूरे मामले की परतें खुलीं। शिकायत अधीक्षण यंत्री तक पहुंची तो उन्होंने गंभीरता दिखाते हुए 06 फरवरी 2026 को स्वयं लाइनमैन को फोन किया। लेकिन गलती मानने की बजाय संतोष गुप्ता ने अनुशासन की सारी सीमाएं लांघते हुए अधीक्षण यंत्री से ही अभद्र व्यवहार कर दिया। एक लाइनमैन द्वारा सर्किल हेड से बदतमीजी विभागीय इतिहास में घोर अनुशासनहीनता का उदाहरण बन गई। भ्रष्टाचार के साथ सीनाजोरी इस दोहरी गलती पर अधीक्षण यंत्री ने कड़ा रुख अपनाते हुए म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9 के तहत संतोष कुमार गुप्ता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। साथ ही निलंबन अवधि में उसका मुख्यालय वितरण केंद्र राजेन्द्रग्राम निर्धारित किया गया, ताकि किसी भी तरह की 'सेटिंग' की गुंजाइश न रहे। इस कार्रवाई से पूरे संभाग में हड़कंप है। विभाग ने साफ संदेश दे दिया है कि उपभोक्ताओं से लूट और वरिष्ठ अधिकारियों के सम्मान से खिलवाड़ अब बर्दाश्त नहीं होगा। 'जीरो टॉलरेंस' की यह कार्रवाई रिश्वतखोरों के लिए सीधी चेतावनी है।

रामपुर भटूरा मेगा प्रोजेक्ट के प्रभावित किसान मुख्यमंत्री से करेंगे मुलाकात

एसईसीएल प्रबंधन पर लगाएंगे गंभीर आरोप

अनूपपुर। रामपुर भटूरा मेगा प्रोजेक्ट से प्रभावित किसानों और ग्रामीणों का सब्र अब जवाब देने लगा है। समाजसेवी कार्यकर्ता भूपेश शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि शहडोल दौरे पर आ रहे प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से प्रोजेक्ट प्रभावित ग्रामीण सीधे मुलाकात करेंगे और एसईसीएल प्रबंधन के खिलाफ अपनी पीड़ा और शिकायतें रखेंगे। इस दौरान आसपास के 8 से 10 गांवों के किसान और ग्रामीण एकजुट होकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपेंगे। भूपेश शर्मा ने बताया कि बीते तीन वर्षों से मेगा प्रोजेक्ट संचालित होने के बावजूद आज तक ग्रामीणों को नौकरी, पुनर्वास, मुआवजा जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पाई हैं। इसके साथ ही खदान प्रभावित गांवों में बिजली, पानी, स्वास्थ्य, चिकित्सा और शिक्षा जैसी आवश्यक सेवाओं का घोर अभाव है। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि कई किसान आत्महत्या करने को मजबूर हुए हैं, जिससे क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रबंधन की मनमानी के चलते खदान के समीप कक्षा 1 से 5 तक संचालित एक प्राथमिक विद्यालय को अब तक सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट नहीं किया गया। लगातार हो रही ब्लास्टिंग से स्कूल भवन जर्जर हो चुका है और कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। यह स्थिति "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" जैसे राष्ट्रीय संकल्पों पर भी सवाल खड़े करती है। भूपेश शर्मा ने कहा कि एसईसीएल प्रबंधन को केवल कोयला डिस्पैच से मतलब है, ग्रामीणों की सुरक्षा और भविष्य से नहीं। फोन करने पर अधिकारी फोन नहीं उठाते, कार्यालय जाने पर सम्मान नहीं मिलता और घंटों इंतजार कराया जाता है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए जनपद सदस्य चंद्रकुमार तिवारी, सांसद प्रतिनिधि राजकमल मिश्रा व रमेश सिंह पूर्व एसडीएम व जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष, आदित्य त्रिपाठी सहित कई जनप्रतिनिधियों, सरपंच-पंचों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने एसडीएम सुहागपुर एरिया व तहसीलदार बुढार के माध्यम से जिला प्रशासन से मुख्यमंत्री से मुलाकात कराने की मांग की है। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन ग्रामीणों की पीड़ा पर संवेदनशीलता दिखाता है या उन्हें एक बार फिर खाली हाथ लौटना पड़ेगा।

11 हजार हाई टेंशन लाइन की चपेट में आने से ठेका कर्मचारी कौशल केवट की मौत

दो मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

हरिभूमि न्यूज कोतमा। शुक्रवार की मध्य रात्रि को बैहाटोला गांव में 11 हजार हाई टेंशन लाइन की चपेट में आने से ठेका कर्मचारी कौशल केवट 29 बर्ष की दर्दनाक मौत होने का मामला सामने आया है। मृतक क्रिस्टल नामक एजेसी के माध्यम से कार्य करता था। बताया जाता है कि ड्यूटी कर रहे कर्मचारियों के द्वारा बिजली बंद की परमिट लिए जाने के बाद भी ठेकेदार की घोर लापरवाही से 29 वर्षीय युवक कौशल केवट पिता देवशरण माझी निवासी पथरौडी को तेज करंट लगने से खंभे में ही चिपकने से मौत हो गई।

करंट लगने के बाद घायल को अन्य कर्मचारियों के द्वारा मशक्कत कर नीचे उतारा गया और इलाज के लिए बैहाटोला, मनेद्रगढ़ एवं आमाखेरवा अस्पताल ले जाते हुए रात भर भटकते रहे। थककर कोतमा अस्पताल में लाया गया जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। विद्युत विभाग के कर्मचारी की मौत से दो मासूम बच्चों के सिर से पिता का साया उठने की खबर से परिजनों एवं ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। कोतमा स्वास्थ्य केंद्र में भारी भीड़ एकत्र होकर दोषियों पर कार्यवाही की मांग को लेकर जमकर प्रदर्शन भी किया गया। रात 1 बजे के लगभग हुई घटना के 12 घंटे बाद भी किसी जिम्मेदार अधिकारियों के ना आने से लोग आक्रोशित रहे। विभाग के द्वारा समझाइस, दोषियों पर कार्यवाही एवं सहायता राशि दिए जाने के आश्वासन के बाद पीएम कराकर अंतिम संस्कार किया गया। बैहाटोला गांव में शाम से बिजली बंद होने पर कौशल केवट, गोपाल सिंह एवं राजेश तोमर रात 12 बजे सुधार कार्य करने पहुंचे थे। राजेश के द्वारा सप्लाई बंद की परमिट लेने के बाद भी 11 हजार लाइन में करेंट आने से पोल में चढ़े कौशल केवट एवं गोपाल झुलस गए। दूसरे घायल गोपाल का भी गंभीर हालत में उपचार चल रहा है। कमलेश की मौत से परिवार पर दुखो का पहाड़ टूट पड़ा। अपनी पत्नी सहित 2 बच्चों का भरन पोषण करता रहा। घटना से परिजनों का हाल बेहाल है। पूरे गांव में शोक पसरा है। मृतक की 7 वर्षीय बेटी एवं 4 वर्षीय बेटे के सर से पिता का साया उठने से उपस्थित सभी लोगों की आंखे नम हो गई।

इनका कहना है

जैसे ही हमें जानकारी लगी कोतमा अस्पताल पहुंचकर परिजनों से चर्चा की, परिजनों में काफी आक्रोश था, परिजनों की जो मांग थी उस पर भी विचार करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी गई है, विद्युत विभाग के कर्मचारियों के सहयोग से अंत्येष्टि के लिए 20 हजार रुपए की सहायता राशि दी गई है। मामले की जांच उपरांत दोषी जनों पर कार्यवाही की जाएगी ।

आशुतोष चंद्रा, सहायक अभियंता विद्युत विभाग कोतमा

विकसित भारत को साकार करने में मील का पत्थर साबित होगा केंद्रीय बजट-मनीषा सिंह

अनूपपुर। भारतीय जनता पार्टी जिला अनूपपुर के द्वारा 7 फरवरी शनिवार को जिला भाजपा कार्यालय में केंद्रीय बजट को लेकर पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के उपस्थिति में केंद्रीय बजट 2026-27 के विषय में पत्रकार वार्ता को संबोधित बोधित किया। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित व आत्मनिर्भर भारत के विजन का सशक्त दस्तावेज है। गरीब, युवा, नारी शक्ति, अन्नदाता के साथ मध्यम वर्ग और उद्यमियों के कल्याण व सशक्तिकरण के प्रावधान बजट में किए गए हैं। यह सर्वस्पर्शी, सर्वसमावेशी बजट रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म की भावना को दर्शाता है, जो मध्यप्रदेश सहित देश को 2047 के विकसित भारत की ओर मजबूती से ले जाएगा। केंद्रीय बजट को राजनीति के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नजर से देखना आवश्यक है। देश के कुल कर्ज को जीडीपी के 56 प्रतिशत से घटाकर 50 प्रतिशत तक लाने की भी योजना है। बजट में 7 हाई-स्पीड कॉरिडोर्स के निर्माण और 12.2 लाख करोड़ के कैपिटल एक्सपेंडिचर का प्रावधान किया गया है। सेमीकंडक्टर मिशन के लिए निवेश राशि को 22,500 करोड़ से बढ़ाकर 40,000 करोड़ करने का प्रस्ताव है। यह बजट वर्ष 2047 के विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में मील का पत्थर साबित होगा। पत्रकारों के द्वारा अनूपपुर जिले के स्थानीय विकास एवं मुद्दों को लेकर चर्चा हुआ श्रीमती सिंह जी ने पत्रकारों के सवालों का भी बखूबी जवाब दिया है।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.), जिला - अनूपपुर (म.प्र.)

इश्तहार

पीठासीन अधिकारी-अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, जिला - अनूपपुर (म.प्र.)

रा.प्र.क्र.-0031/अपील/2025-26

वृन्दावन चतुर्वेदी आयु- 85 वर्ष आत्मज अम्बिका प्रसाद चतुर्वेदी, निवासी अनूपपुर, वार्ड क्र.-13 डाकघर अनूपपुर, थाना, तहसील व जिला- अनूपपुर म.प्र.............अपीलार्थी **बनाम**

सुरेन्द्र कुमार बियाणी आत्मज स्व. श्री देवी प्रसाद बियानी निवासी ब्लेसिंग हाउस, सिलीकेट फैक्ट्री रोड आसनसोल, जिला -वर्धमान (पश्चिम बंगाल) हाल निवासी वार्ड क्र.- 12 अमरकंटक रोड, डाकघर, थाना, तहसील व जिला- अनूपपुर म.प्र. बगैरह............उत्तरवादीगण

प्रेषिती:-

1. रविन्द्र कुमार बियानी आत्मज स्व. श्री देवी प्रसाद बियाणी निवासी अनूपपुर (वार्ड क्र. - 12 अमरकंटक रोड) डाकघर, थाना व तहसील अनूपपुर, जिला - अनूपपुर म.प्र. 2. प्रभा नागोरी पुत्री स्व. श्री देवी प्रसाद बियाणी निवासी अनूपपुर (वार्ड क्र. - 12 अमरकंटक रोड) डाकघर, थाना व तहसील अनूपपुर, जिला - अनूपपुर म.प्र 3. आभा सोमानी पुत्री स्व. श्री देवी प्रसाद बियाणी निवासी अनूपपुर (वार्ड क्र. - 12 अमरकंटक रोड) डाकघर, थाना व तहसील अनूपपुर, जिला - अनूपपुर म.प्र. 4. सिद्धार्थ साबो माता स्व. शोभा साबो निवासी अनूपपुर (वार्ड क्र.-12 अमरकंटक रोड) डाकघर, थाना व तहसील अनूपपुर, जिला - अनूपपुर म.प्र. 5. पूनम टपारिया माता स्व. शोभा साबो निवासी अनूपपुर (वार्ड क्र. - 12 अमरकंटक रोड) डाकघर, थाना व तहसील अनूपपुर, जिला - अनूपपुर म.प्र.

जरिये इस्तहार आप उत्तरवादीगण को सूचित किया जाता है कि अपीलार्थी द्वारा न्यायालय तहसीलदार, तहसील - अनूपपुर के रा. प्र. क्र. - 0031 /अ-27/2025-26 मे पारित आदेश दिनांक तहसील-अनूपपुर -28/04/2025 के विरूद्ध इस इस न्यायालय मे अपील पेश किया गया है, जिसकी आगामी सुनवाई दिनांक- 25/02/2026 को नियत है। तत्संबंध मे आप उत्तरवादीगण को आदेशित किया जाता है कि दिनांक - 25/02/2026 को प्रात: 11:00 बजे इस न्यायालय मे उपस्थित होकर अपना पक्ष समर्थन पेश करें, अन्यथा की दशा मे एकपक्षीय कार्यवाही कर प्रकरण का गुण-दोष के आधार पर निराकरण किया जावेंगा।

इस्तहार आज दिनांक- 03/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया ।

अनुविभागीय अधिकारी (रा) अनूपपुर

आरोपी तुलेश्वर सिह धुर्वे के कब्जे से बका जप्त

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग पुष्पराजगढ के मार्गदर्शन में निरी. बीरेन्द्र कुमार बरकरे थाना प्रभारी करनपठार के नेतृत्व में सउनि. मुनीन्द्र गवले, प्रआर. 56 राजकुमार, प्र.आर.136 राजेन्द्र पडवार, चा. आर. 459 विक्रम मरावी, आर. 476 संतोष मरावी के द्वारा 05 फरवरी को जरिये मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की एक व्यक्ति ग्राम करपा ग्राउण्ड रंग मंच के पास खडा होकर बका लहरा रहा है और आने जाने वालो को डरा धमका रहा है। सूचना की तस्दीक हेतु गवाहान केशव नायक पिता मोती नायक निवासी मेढाखार एवं हीरा सिंह पिता स्व. नेशू राम निवासी करपा को मुखबिर की सूचना से अवगत कराने के उपरान्त गवाहानों को सांथ में लेकर मुखबिर के बताये स्थान में पहुंचा मुखबिर के बताये हुलिया के अनुसार एक व्यक्ति मिला, जो पुलिस को आता देखकर वहां से भागने का प्रयास करने लगा। जिसे हमराह स्टाफ व गवाहों के घेरा बंदी कर पकडा गया जो नाम पता पूंछने पर वह व्यक्ति अपना नाम तुलेश्वर सिह धुर्वे उर्फ सुघरू सिंह पिता नान सिंह उम्र 24 वर्ष निवासी पंडानटोला मेढाखार थाना करनपठार जिला अनूपपुर (म.प्र.) का होना बताया। हिरासत में लेकर जामा तलाशी ली गई तो उसके दाहिने तरफ कमर में खोंचकर बका रखा होना पाया गया। जिसे मुताबिक जप्ती पत्रक के जप्त कर कब्जे पुलिस लिया गया। वापसी पर अपराध धारा 25ठ आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। उपरोक्त कार्यवाही में निरी. वीरेन्द्र कुमार बरकरे के नेतृत्व में हमराह सउनि. मुनीन्द्र गवले, प्रआर. 56 राजकुमार, प्र.आर.136 राजेन्द्र पडवार, चा. आर. 459 विक्रम मरावी, आर.476 संतोष मराव का सराहनीय योगदान रहा।

!! राधे-राधे !! !! श्री गणेशाय नमः !! !! राधे-राधे !!
श्री गुजरात ग्रेनाईट एंड टाइल्स
ग्रेनाईट एवं टाईल्स के थोक एवं फुटकर विक्रेता
हमारे यहां सभी प्रकार के टाईल्स, ग्रेनाईट- सांड्य Z ब्लैक, सुपर ब्लैक, आर ब्लैक इत्यादि एवं सेनेट्री, कड़प्पा उचित दामों पर उपलब्ध है।
प्रो. देवेन्द्र सिंह जी 7742294629, 7440984719, 7737330239